प्रयोग क्रमांक – 2

अल्पकालिक स्मृति

भूमिका :– स्मृति का अर्थ

स्मृति एक सामान्य पद है जिसका तात्पर्य पूर्व अनुभूतियाँ मस्तिष्क में इकट्ठा कर रखने की क्षमता होती है तथा इसकी समय अवधि 1 सेकण्ड से कम या सम्पूर्ण जीवनकाल भी हो सकती है। मनोविज्ञान ने स्मृति के दो पक्ष बताये हैं धनात्मक पक्ष तथा ऋणात्मक पक्ष तथा इन पक्षों के संबंध में यह कहा जाता है कि धनात्मक पक्ष स्मरण है तथा ऋणात्मक पक्ष विस्मरण है।

परिभाषाएँ :–

1. लैहमैन (1979) के अनुसार :– विशेष समय अवधि के लिए सूचनाओं को सम्बोधित करके रखना ही स्मृति है।

2. बटरफिल्ड (1979) के अनुसार :– पूर्व अनूभूतियों को मस्तिष्क में जमा करके रखने की क्षमता ही स्मृति कहलाती है।

स्मृति के प्रकार :–

प्रयोगात्मक मनोवैज्ञानिको ने स्मृति के कई प्रकारो का वर्णन किया है जिसमें स्मृति तीन प्रकार की होती है:–

1. संवेदी स्मृति 2. अल्पकालिन स्मृति 3. दीर्घकालिन स्मृति

अल्पकालिन स्मृति की अवधि :–

इम देख चुके है स्मृति तीन प्रकार की होती है। STM (Short time memory) में सूचनाओं की संग्रहन अधिकतम अवधि 20 सेकण्ड होती है। हालाकि कुछ मनोवैज्ञानिक ने इस अधिकतम अवधि को 30 सेकेण्ड तक भी माना है।

LTM (Long Term Memory) में सूचनाओं के संचयन की कोई भी ऐसी अधिकतम अवधि नहीं होती है। व्यक्ति किसी सूचना को अपनी पूरी जिंदगी तक संचित करके रख सकता है।

अल्पकालिन स्मृति की विशेषताएँ :–

प्रमुख अध्ययनों के आधार पर अल्पकालिन स्मृति की निम्नांकित विशेषताएँ बतायी गयी है:–

1. संवेदी स्मृति में ज्ञानेद्रियों द्वारा प्राप्त सूचनाएँ बिना किसी तरह के हेर फेर के उन्हें संचित किया जाता है परन्तु अल्पकालिन स्मृति में ऐसा नहीं होता है तथा इसमें उद्दीपकों के बारे में ज्ञानेद्रियों द्वारा प्राप्त सूचनाओं को संकेतीकरण करके उन्हें संचित किया जाता है।
2. अल्पकालिन स्मृति कमजोरी होती है यदि इसके तथ्यों पर व्यक्ति किसी कारण से ध्यान नहीं दे पाता है या उनका पूनः प्रत्यावहन नही कर पाता है तो उनकी स्मृति चिंह तुरन्त ही समाप्त हो जाते है और अल्पकालिन स्मृति का अस्तित्व खतरे में पड़ जाती है।

तालिका क्रमांक – 01

प्रायोगिक अभिकल्प

अधिग्रम कार्य	विकषर्ण कार्य	प्रत्यावहन	मापन
3 से 9 अक्षरो वाले पद एक–एक करके 2 सेकण्ड अधिगम हेतु	3 अंको वाली विषम (99) संख्या से प्रारंभ कर उल्टी गिनती गिनना 20 सेकण्ड तक	प्रस्तुत किए गए त्रिअक्षरो का अक्रमिक प्रत्यावहन	सही प्रत्यावहित अक्षरो की संख्या

समस्या :–

प्रयोज्य की अल्पकालिन स्मृति के विस्तार का अध्ययन करना।

विधि एवं प्रक्रिया :– प्रयोज्य का परिचय

नाम –

उम्र –

लिंग –

शिक्षा –

तालिका क्रमांक – 02

अवलोकन सारणी

क्रं.	प्रस्तुत कार्य	विकर्षक कार्य	पात्र प्रत्यावहन	कुल प्रत्यावहित अक्षर	सही प्रत्यावहित अक्षर
1	RTO	114			
2	AVDS	204			
3	BDSCM	311			
4	HSMDRU	312			
5	WBKLJPA	403			
6	KACHKLAA	421			
7	MBLACKUNG	206			
8	WYGATPBCA	509			
9	ERANKAOBW	514			

<u>प्रायोगिक प्रक्रिया :–</u>

प्रस्तुत प्रयोग पात्र की अल्पकालिन स्मृति के विस्तार का अध्ययन करने हेत, किया गया जिसमें प्रयोग शाला का वातावरण शांत रखते हुए पात्र के साथ सौहद्रपूर्ण संबंध स्थापित किया गया पात्र को आराम पूर्वक बैठाकर सभी निर्देश बता दिए गये तथा प्रयोग प्रारंभ किया गया ।

प्रस्तुत प्रयोग में पात्र को 3 से 9 अक्षरो वाले पद एक–एक करके 2 सेकण्ड तक याद करने हेतु दिए गए इसके पश्चात् 3 अंको वाली विषम संख्या से लेकर 20 सेकण्ड तक उल्टी गिनती गिनवायी गयी इसी प्रकार नौ बार नौ त्रिअक्षर के पद के साथ यह कार्य करवाया गया तथा प्राप्त आंकड़ो का विश्लेषण कर उपयुक्त परिणाम ज्ञात कर लिये गये।

प्रदत्त विश्लेषण :–

प्रस्तुत प्रयोग पात्र के अल्पकालिन स्मृति के विस्तार का अध्ययन करने हेतु किया गया जिसमें पात्र ने कुल 9 कार्य में ..... अक्षरो का प्रत्यावहन किया तथा कुल ..... अक्षरो का सही प्रत्यावहन किया।

तालिका क्रमांक – 03

प्रदत्त विश्लेषण

कुल कार्य	कुल पात्र प्रत्यावहन	कुल सही प्रत्यावहन	परिणाम
9			/9

परिणाम एवं विवेचना :–

प्रस्तुत प्रयोग पात्र के अल्पकालिन स्मृति के विस्तार का अध्ययन करने हेतु किया गया जिसकी समस्या कि प्रयोज्य के अल्पकालिन स्मृति के विस्तार का अध्ययन करना थी जिसमें पात्र ने 9 कार्यो में से कुल ..... अक्षरो का प्रत्यावहन किया तथा कुल ..... सही त्रिअक्षरो का प्रत्यावहन किया।

अतः पात्र का अल्पकालिन स्मृति विस्तार ..... पाया गया जिसमें हम यह कह सकते है कि पात्र अपनी स्मृति में कुल ..... अक्षर संचित करके रख पाता है।

विवेचना :–

.....

.....

नोट :– पात्र आपने विवेक से प्रयोग के परिणाम के आधार पर विवेचना लिखेंगे।